राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40/- संख्या 2455
नागराज है ना
eComics

क्या कहते हो, फिट्ज? हमें ही मिलेगा न ये कांट्रेक्ट।
निश्चिंत रहो, जनरल मुटाबे। हमने हर मुट्ठी को गर्म कर दिया है।
ये गेम हमको मिलने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारा सम्मान बढ़ जाएगा। और...
और तुम्हारी डिक्टेटर शिप को एक अनऑफीशियल मान्यता मिल जाएगी।
MAHANA
INDIA
हमारी सम्मानीय जूरी ने दो घंटों की मीटिंग के बाद फैसला ले लिया है।
इस बार दावेदारी पेश करने वालों में तीन देशों के मेट्रोज प्रमुख थे। लोगोटो की राजधानी जांबीलिया, योरोपियन कंट्री अख्बदेश का शहर अल जाहिरा और भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर महानगर।
और जूरी की निर्विवाद राय के अनुसार यह निर्णय लिया गया है कि दिसंबर में होने वाले इंटरनेशनल मेट्रो गेम्स का आयोजन होगा...
भारत के सबसे बड़े मेट्रो सिटी... महानगर में।
एयरपोर्ट 25 KM
MAHANAGAR 25 AIRPORT KM
येssss! येssss

कांग्रेचुलेशंस फ्रेंड। उम्मीद है कि हमारी टीम आप के महानगर की धरती पर कोई न कोई मेडल जीत कर जरूर आएगी।
जरूर। आपकी टीम का महानगर में स्वागत है।
तुम नाराज नहीं हुए जनरल? मुझे तो लगा था कि तुम आग बबूला हो जाओगे।
तुम्हें मेरी आंखों लाल लग रही हैं? कानों से धुंआ निकलते दिख रहा है?
नहीं।
तो ध्यान से देखा।
तूने मेरा करोड़ों डॉलर का नुकसान ही नहीं कराया बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में जगह बनाने का एक सुनहरा मौका भी मुझसे छीन लिया है।
इस हार से मिली बदनामी के कारण मेरी वो छीछालेदर होगी जिसके कारण मेरी सत्ता भी जा सकती है।
और ये सब हुआ तेरे कारण। तेरे झूठे वादों के कारण। तुझे सजा मिलेगी और मोटाबे को सिर्फ एक ही सजा देनी आती है।
मौत की सजा।
मुझे...एक... मौका और दो... जनरल।
क्या अभी मेरी बर्बादी में कुछ बचा है।
तुम...अभी भी...दूसरे नंबर पर हो।
...अगर महानगर छः महीनों में तैयारी नहीं कर पाया.. तो..ठेका... आपको मिल सकता है।
सच!!!
सचा आऽऽऽहा।
तो फिर कुछ ऐसा कर कि महानगर में खेल हो ही न सकें। और ठेका मिल जाए लोगोटो की राजधानी जांबीलिया को।
ऐसा ही होगा।

Amaan

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

नागराज है ना

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

कथा	चित्रांकन	इंकिंग	इफैक्ट्स	कैलिग्राफी	सम्पादक
जॉली सिन्हा, अनुपम सिन्हा	अनुपम सिन्हा	गौरव, सागर	सुनील	हरीश शर्मा	मनीष गुप्ता

किसी वस्तु की रचना करने में बहुत समय और श्रम लगता है और नाश करने में सिर्फ कुछ पल और जीरो श्रम।
इसीलिए विनाश की आशंका हमको हमेशा भयभीत करती रहती है।
OK TATA
फिर मिलेंगे
STOP
और इसी आशंका को दूर करने के लिए सुरक्षा का सहारा लिया जाता है।
क्या सरजी। अब हमको भी रोकोगे? ये गॉरमेंट ड्यूटी का ट्रक है। सिर्फ सीमेंट की बोरियां लदी हैं इसमें।
स्टेडियम की साइट पर पहुंचाना है जल्दी।
ऊपर से ऑर्डर है। महानगर में हर आने वाले वाहन की तलाशी होगी। मेट्रो गेम्स के मद्देनजर हाई एलर्ट है।
आप लोग कुछ भी करवा लो मार गरीब पर ही पड़ती है।
चुप। तलाशी तो होगी ही होगी। बस पांच मिनट लगेंगे।
तो आप बोरियों के बीच में घुस-घुस कर तलाशी लोगे क्या?
कोई जरूरत नहीं। तलाशी हम नहीं...
ये लेंगे। नागराज के चेकिंग इंस्पेक्टर।

Amaan

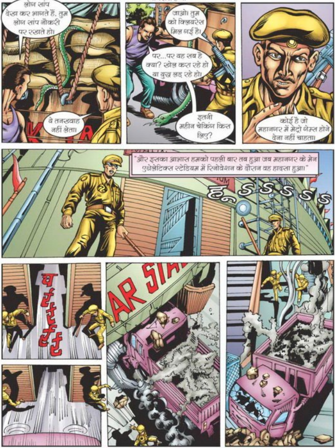
लोग सांप देख कर भागते हैं, तुम लोग सांप नौकरी पर रखते हो।
ये तनख्वाह नहीं लेता।
जाओ। तुम को क्लियरेंस मिल गई है।
पर...पर यह सब है क्या? खेल करा रहे हो या युद्ध लड़ रहे हो।
इतनी महीन चेकिंग किस लिए?
कोई है जो महानगर में मेट्रो गेम्स होने देना नहीं चाहता।
"और इसका आभास हमको पहली बार तब हुआ जब महानगर के मेन एथेलेटिक्स स्टेडियम में रिनोवेशन के दौरान वह हादसा हुआ।"
हुऽऽऽऽऽ

अरे। ये तो नशे में धुत है। कितनी बास मार रहा है।
उसने कुछ खिला दिया।...फिर दारू छिड़की है। मैंने...पी नहीं है।
शराबी दूसरों पर ही इल्जाम लगाता है।
कितना नुकसान कर दिया इसने।
ओ गॉड। यहां वैसे ही टाईम की मारामारी है और इसने महीने भर का काम बढ़ा दिया।
कैसे घुसा ये अंदर? तुम सिक्योरिटी वाले सो रहे थे क्या?
एक मिनट। शांत रहें, सर।
शांत रहें, सर। तुम-तुम मुझे चुप करा रहे हो? यू दो कौड़ी के...
शांत रहें सर।
(गड़ब) ओ... ओ.के.। प...पर हुआ क्या?
'स्नेक आई' एजेंसी के गॉर्ड सख्ती करना जानते थे।
ट्रक का इंजन बंद हो चुका है। फिर भी टिक-टिक की आवाज आ रही है।
ये बम है। ट्रक में कहीं फिट है। भागो। दूर हटो।
अब क्या करें? ट्रक में बम ढूढ़ें?
हमारे पास शायद इतना वक्त नहीं है।
अब बस एक ही रास्ता है।
वऽऽऽअना।
दूऽऽऽऊऽऽऽ।

थ्रीSSSS।
बूम
अSSS। खतरा टल गया। वर्ना स्टेडियम को नुक्सान जरूर पहुंचता।
कमाल है। ट्रक फटा और ऐसे फटा कि यहीं टूट कर रह गया।
हां सर। वह ड्राईवर सही कह रहा था ये किसी और की शरारत है। पर किसकी?
ओह।
क्या हुआ?
कल PWD डिपार्टमेंट के पास एक SMS आया था।
किसी आतंकी ग्रुप की तरफ से। उसमें सभी स्टेडियमों को उड़ाने की धमकी थी।

Amaan

हमें लगा कि किसी अंडर कंस्ट्रक्शन गेम साइट पर भला कोई क्यों हमला करेगा? ये जरूर मजाक होगा।
एक गलती आपसे हुई, इंजीनियर साहब...
...तो एक गलती हमसे हुई है। अब हम हर स्टेडियम के बाहर एक और रोक बनाकर रखेंगे ताकि ऐसा हादसा दोबारा न हो।
ये क्या? सीटों के सपोर्ट वाला एंगल फ्रेम टूट रहा है। कैसे?
ऐसा एक भी हिस्सा टूटा तो पूरा स्टेडियम ढह जाएगा।
अरे! ये सांप तो...
नागराज के हैं। पर ऐसा क्या हो गया...

...कि नागराज को खुद आने की ज़रूरत पड़ गई...
अरे! ये क्या है?
UC

यह तुम लोगों को बेवकूफ बनाकर चुपचाप अंदर आने में सफल हो गया है।
शायद इसका इरादा ट्रक के जरिए पहले तुम सब को मारने का था और फिर आराम से स्टेडियम को नेस्तनाबूद करना था।
पर तुम लोगों को अच्छी ट्रेनिंग मिली है। वर्ना ये अपने इरादे में कामयाब हो चुका होता।
ये गलती हमारी है नागराज कि ये चुपचाप अंदर आ घुसा।
इसीलिए इसको बाहर निकालने का काम भी हम ही करेंगे।
तड़ाक
पर पहले इससे ये जानेंगे कि ये हमारे खेलों को बिगाड़ना क्यों चाहता है। इसमें क्या फायदा है इसका?
मेरा न कोई फायदा है न घाटा।
लुकछुप का काम तो लीडर का आदेश पूरा करना है
और लीडर ने कहा है कि काम पूरा करो...
अरे। कहां गया? सिर्फ आवाज सुनाई दे रही है।
और जो काम को पूरा करने में बाधक बने उसकी उम्र पूरी कर दो।
ये...ये क्या? पैरों में तेज जलन क्यों हो रही है।
जैसे पैर भट्टी में रखे हुए हों।
ओह। हमको यहां से जाना होगा। वर्ना हमारा इच्छाधारी सर्प होने का भेद खुल जाएगा। यहां नागराज तो है ही।
गॉईस को चलने की जरूरत नहीं थी।

क्योंकि वे बिना चले ही वहां से दूर जाने वाले थे।
अब तू भी मुझे रोकने की कोशिश करके देख ले नागराज।
बड़ा नाम सुना है तेरा। आज तुझको पीटकर मैं भी पापुलर हो जाऊंगा।
तुम्हारी यह इच्छा जरूर पूरी होगी लुकछुप। पर...
पहले ये छुपकर काम कर रहा था। पर अब ये भागने की भी कोशिश नहीं कर रहा है। क्या कारण हो सकता है इसका?
अरे। कहां चला गया। क्या इसमें अदृश्य होने की शक्ति है। या फिर...
धड़ाक

Amaan

नहीं। इसकी परछाई नजर आ रही है। यानि ये अदृश्य नहीं हो रहा है।
बल्कि ये गिरगिट की तरह अपनी त्वचा का रंग बदल कर अपने आप को आस-पास के परिवेश में मिक्स कर रहा है।
तब तो इसको काबू में करना आसान है। मेरी विष फुंकार इसको पहले भी बाहर आने पर मजबूर कर चुकी है। अब तीव्र फुंकार इसके होश ही बाहर निकाल देगी।
फूं
मैं यहां पर आने से पहले ही विषलहरी बूटी का सेवन कर चुका था जो हर विष का काट होती है। मुझे तो बूटी ने बचा लिया
पर अब तू 'घोलजड़ी' के वार से बच कर दिखा। ये दो मिनटों के अंदर तेरे सांपों को गलाती हुई तेरे दिल तक पहुंचेगी।
और फिर तेरे दिल के नाजुक ऊतक मक्खन की तरह गल जाएंगे।
दिल खत्म इंसान खत्म।
ओफ। ये कैसी अद्भुत जड़ी है।
इसको अपने शरीर से अलग करना होगा।
और यह काम पानी करेगा। यह जड़ी को अपने अंदर घोल कर मेरे शरीर से अलग कर देगा या इसका असर इतना कम कर देगा कि मेरे सर्प मेरे घाव फिर भर सकें।
मैं सही था। घाव तेजी से भर रहा है।

बादल आ गए हैं। अब इसकी परछाई भी नहीं दिखेगी। अब मैं अपनी दृष्टी को इंफ्रारेड विजन पर सेट करूंगा। उसी स्तर पर जिस स्तर पर सर्प अपने दुश्मन के ऊष्मा रूप को देखते हैं।
और इस दृष्टि से लुकछुप नहीं बच पाएगा।
पानी इसके पास मौजूद और किसी भी जड़ी को या तो घोल लेगा या फिर बहा ले जाएगा...
और इसके बाद...
मैं इसको आराम से काबू में कर लूंगा।
अब बता। किसने भेजा है तुझे? कौन है यह महानगर और हिंदुस्तान की जान का दुश्मन? बता वर्ना 11000 वोल्ट का ये स्टाटिक इलेक्ट्रिक चार्ज तुझे बहुत तकलीफ देगा।
बस कुछ ही पलों की बात और है नागराज। फिर मैं मरूं या बचूं कोई फर्क नहीं पड़ेगा।
ये ऐसा क्यों कह रहा है? ओह! ये क्या।
नागराज ने अपनी दृष्टि को इंफ्रारेड लेवल पर लाकर अंजाने में ही एक सही कदम उठा लिया था।
चारों तरफ के स्टील गर्डर्स के बेस आग से दहक रहे हैं।

अब स्टेडियम को गिरने में कुछ ही पल हैं। इसको गिरने से दुनिया की कोई ताकत बचा नहीं सकती।
तुझे दुनिया की कोई ताकत बचा नहीं सकती।
और इस स्टेडियम को तेरे जैसी ताकत गिरा नहीं सकती।
नई महाशक्तियों से युक्त नागराज के सर्पों में भी अद्भुत शक्ति दिखाई दे रही थी। स्टेडियम का पूरा भार वे अपने शरीरों पर झेल रहे थे।
कमाल है नागराज। ऐसा दृश्य देखने की तो मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।
अब इन गर्डरों की मरम्मत करने में हमको दो दिनों से ज्यादा नहीं लगेंगे।

Amaan

और इसकी जबान खुलने में दो मिनट से ज्यादा नहीं लगेंगे।
मैं जिंदा रहा तो जबान खुल ही जाएगी। और जबान खुली तो मैं जिंदा नहीं रहूंगा।
इसीलिए अगर मुझे मरना ही है तो तुमको मार कर मरूंगा।
और तेरे मरते ही तेरे शरीर के ये नाग भी मर जाएंगे जो स्टेडियम को सहारा दिए हुए हैं।
तेरे शरीर में अगर विष है तो मेरे शरीर में रक्त की जगह विष की काट विषलहरी दौड़ती है।
ये तेरे शरीर के विष को काट देगी और तू मर...
मेरी खाल सूख क्यों रही है।
और तुझे कुछ क्यों नहीं हो रहा है?
क्योंकि मेरे शरीर में अब वो आम विष नहीं है जो विष लहरी से नष्ट हो सके।
मेरा विष अब रेडिएशन युक्त विष बन चुका है।
और इसका तुम पर क्या असर होगा...
मैं खुद भी नहीं जानता। ओफ्। ये क्या हुआ।

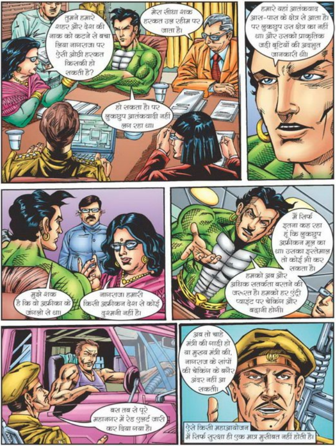
तुमने हमारे शहर और देश की नाक को कटने से बचा लिया नागराजा पर ऐसी ओछी हरकत किसकी हो सकती है?
मेरा सीधा शक हरकत उल रहीम पर जाता है।
हो सकता है। पर लुकछुप आतंकवादी नहीं लग रहा था।
हमारे यहां आतंकवाद आस-पास के क्षेत्र से आता है। पर लुकछुप उस क्षेत्र का नहीं था। और उसको प्राकृतिक जड़ी बूटियों की अद्भुत जानकारी थी।
मुझे शक है कि वो अफ्रीका के जंगलो से था।
नागराजा हमारी किसी अफ्रीकन देश से कोई दुश्मनी नहीं है।
मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं कि लुकछुप अफ्रीकन मूल का था। उसका इस्तेमाल तो कोई भी कर सकता है।
हमको अब और अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। हमको हर एंट्री प्वाइंट पर चेकिंग और बढ़ानी होगी।
बस तब से पूरे महानगर में रेड एलर्ट जारी कर दिया गया है।
अब तो चाहे मंत्री की गाड़ी हो या मुख्य मंत्री की, नागराज के सांपों की चेकिंग के बगैर अंदर नहीं आ सकती।
ऐसे किसी महाआयोजन में सिर्फ सुरक्षा ही एक मात्र मुसीबत नहीं होती है।

Amaan

बल्कि कई अंजाने मुद्दे भी स्थिति को और जटिल बनाने में सहयोग देने लगते हैं। जैसे लोगों की जरूरत से ज्यादा देशभक्ति।
भला हो शारदा देवी जैसी दयालु और राष्ट्रभक्त महिला का जो मजदूरों को राजाओं जैसा खाना खिलाती हैं।
अरे। ये सब मेट्रो गेम्स का कमाल है। हम मेट्रो गेम्स पर काम कर रहे हैं इसीलिए इतनी राष्ट्रभक्ति टपक रही है। वर्ना ये मूंगफली का छिलका तक न दें।
इस खाने के चक्कर में कई मजदूर मेट्रो गेम्स की साईट पर कम पैसों में काम करने को तैयार हैं।
ऐसा खाना खाने की आदत तो हमें है नहीं। जबसे खा रहे है, नींद बहुत आती है। बदन थका-थका रहता है।
इस समस्या को उपर तक महसूस किया जा रहा था।
POOL
मिस्टर घोष, हम डेडलाईन से काफी पीछे चल रहे हैं। मजदूर तो हमने पहले ही जरूरत से ज्यादा लगाए हुए हैं।
पता नहीं सर। पिछले कुछ दिनों से मजदूरों के काम करने की गति स्लो हो गई है। शायद वे थक रहे हैं।
तो उनकी जगह नए मजदूर भर्ती कीजिए।
ओह। मेट्रो गेम्स की पूल साइट पर तैनात स्नेक आई गाईस का मैसेज आ रहा है।
हां बोलो।
मेट्रो गेम्स की हर कंस्ट्रकशन साईट पर मजदूरों ने दंगा कर दिया है।

"और यहां स्विमिंग पूल की साइट पर तो पुराने मजदूर और नए मजदूरों में मारपीट हो रही है।"
"हम सबके सामने ज्यादा शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकते।"
ओफ्। ये तो एक दूसरे की जान लेने पर उतारू हैं।
इनको रोकना होगा।
बस। ये सब क्या हो रहा है।
हमारे पेट पर लात मारी जा रही है। मैनेजमेंट हमको निकाल कर नए मजदूरों को भर्ती कर रहा है।
हम मर जाएंगे। पर काम आगे नहीं बढ़ने देंगे।

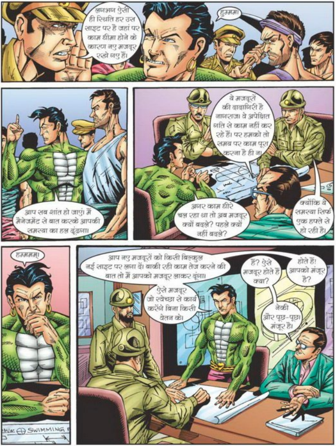
लगभग ऐसी ही स्थिति हर उस साइट पर है जहां पर काम धीमा होने के कारण नए मजदूर रखे गए हैं।
हुम्मम।
आप सब शांत हो जाएं। मैं मैनेजमेंट से बात करके आपकी समस्या का हल ढूंढूंगा।
ये मजदूरों की दादागिरी है नागराज। ये अपेक्षित गति से काम नहीं कर रहे हैं। पर हमको तो समय पर काम पूरा करना है ही ना।
अगर काम धीरे चल रहा था तो अब मजदूर क्यों बदले? पहले क्यों नहीं बदले?
क्योंकि ये समस्या सिर्फ एक हफ्ते से हो रही है।
हम्ममम।
आप नए मजदूरों को किसी बिल्कुल नई साइट पर लगा दें। बाकी रही काम तेज करने की बात तो मैं आपको मजदूर लाकर दूंगा।
ऐसे मजदूर जो स्वेच्छा से कार्य करेंगे बिना किसी वेतन के।
हैं? ऐसे मजदूर होते हैं क्या?
होते हैं! आपको मंजूर है?
नेकी और पूछ-पूछ। मंजूर है।

और फिर-
फ्री के मजदूर। वो तुम कहां से लाओगे।
वहां से गॉर्डस लाया हूं।
पर इसमें तुम्हारा क्या फायदा है?
फायदा ही फायदा है सौडांगी।
चलो दोस्तों।
अरे। अनाड़ियों तुम तो अंदर कर लो।
पहला, मजदूरों का झगड़ा खत्म काम शुरू। दूसरा अपने नाग वर्कर्स डबल काम करेंगे। और तीसरा सबसे बड़ा फायदा मजदूरों के बीच में रहकर ये यह पता लगा सकते हैं कि इस के पीछे भी कोई षड्यंत्र तो नहीं है।
गुड।
एक छोटी सी समस्या एक मामूली से प्रयास से सुलझ गई थी।
और बड़ी समस्याओं के लिए रास्ता साफ कर गई थी।
हम तो आपकी कंपनी के 49 परसेंट शेयर खरीदने ही आए थे, मालवानी जी...
...पर अब हम आपको सिर्फ 250 करोड़ ही दे पाएंगे। साढ़े तीन सौ करोड़ नहीं।
कैसी बात कर रहे हैं, ब्रैड फोर्ड साहब? हम हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी ट्रांसपोर्ट कंपनियों में से एक हैं।
हमारी हाफ वैल्यू 400 करोड़ से कम नहीं है। हम तो सिर्फ 350 करोड़ ही कह रहे हैं।
वैल्यू है नहीं थी। पिछले एक महीने में आप का प्रॉफिट 20% गिर गया है।
वो तो टेम्परेरी है जी। अभी हमारे सात सौ ट्रक मैट्रो गेम के कांट्रैक्ट पर हैं। उनमें ज्यादा प्रॉफिट नहीं होता।

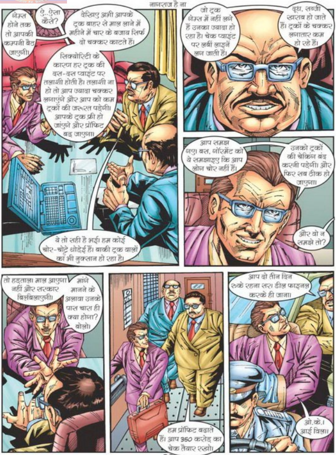
ऐ..ऐसा कैसे?
देखिए अभी आपके ट्रक बाहर से माल लाने में महीने में चार के बजाय सिर्फ दो चक्कर काटते हैं।
सिक्योरिटी के कारण हर ट्रक की दस-दस प्वाइंट पर तलाशी होती है। तलाशी ना हो तो आप ज्यादा चक्कर लगाएंगे और आप को कम ट्रकों की जरूरत पड़ेगी। आपके ट्रक फ्री हो जाएंगे और प्रॉफिट बढ़ जाएगा।
गेम्स होने तक तो आपकी कम्पनी बैठ जाएगी।
ये तो सही है भई। हम कोई चोर-चोट्टे थोड़ेई हैं। बाकी ट्रक वालों का भी नुकसान हो रहा है।
जो ट्रक गेम्स में नहीं लगे हैं उनका ज्यादा हो रहा है। चेक प्वाइंट पर लबीं लाइनें लग जाती हैं।
दूध, सब्जी खराब हो जाते हैं। ट्रकों के चक्कर लगातार कम हो रहे हैं।
आप समझ गए। बस, गॉरमेंट को ये समझाइए कि आप लोग चोर नहीं हैं।
उनको ट्रकों की चेकिंग बंद करनी पड़ेगी। और फिर सब ठीक हो जाएगा।
और वो न समझे तो?
तो हड़ताल। माल आएगा नहीं और सरकार बिलबिलाएगी।
मांगे मानने के अलावा उनके पास चारा ही क्या होगा? बोलो।
हम प्रॉफिट बढ़ाते हैं। आप 350 करोड़ का चेक तैयार रखो।
आप दो तीन दिन रुके रहना सर। डील फाइनल करके ही जाना।
ओ.के.। आई विल।

बस, लीडर। असर हो रहा है।
गुडा अब महानगर तड़पेगा और कोसेगा। मेट्रो गेम्स को।
आपका कहना सही था। जब तक हम गेम पर डायरेक्ट घूस खिला रहे थे तब तक इंडियन राष्ट्रभक्त थे।
पर हमारे मैट्रो गेम के मुद्दे से हटते ही हमारे चंगुल में आ गए। अब आप बस कुछ दिनों का इंतजार करें।
और फिर अगले ही दिन-
हम रेट बढ़ाने के खिलाफ हैं मैडम। हम रेट बढ़वाने के लिए नहीं आए।
हम तो मैडम ट्रक एसोसिएशन के प्रेसिडेंट के नाते ये कहने आए हैं कि हम जिम्मेदार नागरिक हैं चोर उच्चके नहीं हैं। हमको बार-बार की चैकिंग से बहुत नुकसान हो रहा है। आप ये चैकिंग बंद करवाएं।

हमको आप पर अपने से भी ज्यादा विश्वास है, मालवानी जी। पर ट्रक कई जगह रुकते हैं कई रास्तों से गुजरते हैं।
उनके साथ आप की जानकारी में आए बगैर भी गड़बड़ी की जा सकती है।
और फिर किसी भी ट्रक की चैकिंग में दो मिनट से ज्यादा नहीं लगते।
फिर भी मैडम इसका असर हमारी परफार्मेंस और मुनाफे पर पड़ रहा है।
हम देश के काम में अगर मुनाफा नहीं चाहते तो घाटा भी नहीं चाहते।
आई एम सॉरी। हम सिक्योरिटी को ढीला नहीं कर सकते।
तो हम ट्रक भी नहीं चला सकते।
आज से और अभी से ट्रक एसोसिएशन की हड़ताल है।
ओ गॉड। मैं तो हड़ताल पर भी नहीं जा सकती।
इस हड़ताल का असर अगले दिन से ही नजर आने लगा था।
लो भईया। 32 रूपए।
इ का बीबी जी। आज दूध सौ रूपए लीटर है।
सौ रूपए! लूट मचा रखी है?
मैडम जी। ट्रक की हड़ताल है। चाहिए तो लो वर्ना निकल लो।

जिधर देखो, लूट मची है।
सब्जी में भी आग लगी है। तीन गुने भाव मांग रहा है। कहता है ट्रकों की हड़ताल है, माल नहीं आ रहा है।
अरे, पर हड़ताल है क्यों?
कुछ मेट्रो गेम का चक्कर है। कुछ कह रहे हैं कि गॉरमेंट ने बैन लगा दिया है तो कुछ बता रहे हैं कि ट्रक वाले जांच पड़ताल से परेशान हैं।
हे भगवान। ये मेट्रो गेम के नाम पर कैसी धांधलेबाजी हो रही है।
ये सब नेता और जमाखोरों की मिली भगत है।
ऐसे नहीं चलेगा। रोज-रोज खर्चे को लेकर घर में कलेश मुझे नहीं करवाना। मेरे उनके दोस्त एक एम.पी. के पी.ए. हैं। उनसे कहती हूं कि कुछ करो।
नेता से कहोगी नेता जी घाटा कर लो?
अरे, ये एम.पी. विपक्ष वाला है। इसे तो विरोध का मुद्दा चाहिए।
यानि कि अब महानगर में होगी मंहगाई के खिलाफ...
"...जंग"
मेट्रो गेम्स हाय! हाय!
जमाखोरी बंद करो

अरे! सीमेंट और रेत के ट्रक अभी तक क्यों नहीं आए! उसे तो कल ही आ जाना चाहिए था।
कल रात से ट्रकों की हड़ताल हो गई है, सर।
सभी ट्रक महानगर की सीमा से बाहर खड़े हैं। बिना ड्राईवर के।
पर हमारी कंपनी के अपने ट्रक भी तो हैं। वे तो हड़ताल पर नहीं हैं ना। वे कहां हैं?
वे जाम में फंसे हुए है। शहर में जगह-जगह पर जुलूस और प्रदर्शन हो रहे हैं।
हद हो गई, यार! अभी तो नागराज के भेजे नए मजदूरों के कारण काम रास्ते पर आ रहा था। अब फिर से पिछड़ जाएगा।
अगर समय पर काम का पहला चरण पूरा नहीं हुआ तो मेट्रो गेम की मेजबानी महानगर से छीनी भी जा सकती है सर।
ऐसा हुआ तो देश की नाक कटेगी और हमारी जेब। पर ऐसा होगा नहीं।
"क्यों नहीं होगा, सर?"
"क्योंकि नागराज है ना।"
कालाबजारी करता है। ला ब्रेड इधर दे।
पीछे से ही ब्रेड मंहगी होकर आ रही है तो मैं क्या करूं? वापस रख दे, वर्ना इस ब्रेड में तेरा ही सैंडविच बना दूंगा।
शायद तू भूखे बच्चों के बाप की ताकत को नहीं जानता है। पास आकर आजमा ले।
हाSSSSSS!
हाSSSSSSS!
ये सब क्या हो रहा है?

गलती इसकी है। महानगर में ट्रकों की हड़ताल से हर चीज की कालाबाजारी हो रही है।
अब मुझे ही माल ज्यादा दामों पर मिल रहा है तो मैं कम दाम पर कैसे बेचूं।
इसके जैसे लोग ही अफवाहें फैलाते हैं।
क्या बक रहा है...हाएं।
अरे। नागराज कहां गया?
ये क्या हो रहा है। होश में आओ। जानवर बन गए हो क्या तुम सब?
गलती सब्जी वाले की है नागराज।
हां। हमको गुस्सा इसी ने दिलाया था।
परमल और भिंडी गिन-गिन कर बेच रहा था। एक भिंडी दो रुपए की।
यानी स्थिति बहुत तेजी से बिगड़ रही है।

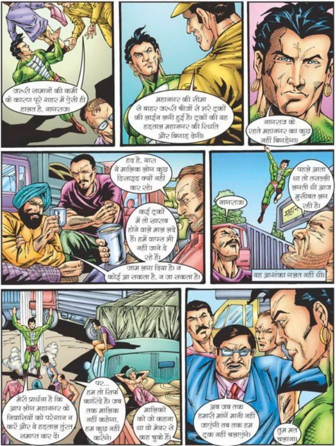
जरूरी सामानों की कमी के कारण पूरे शहर में ऐसी ही हालत है, नागराज।
महानगर की सीमा से बाहर जरूरी चीजों से भरे ट्रकों की लाईन लगी हुई है। ट्रकों की यह हड़ताल महानगर की स्थिति और बिगाड़ देगी।
नागराज के रहते महानगर का कुछ नहीं बिगड़ेगा।
हद है, यार। ये मालिक लोग कुछ डिसाइड क्यों नहीं कर रहे।
कई ट्रकों में तो खराब होने वाले माल लदे हैं। हमें वापस भी नहीं जाने दे रहे हैं।
जाम लगा दिया है। न कोई आ सकता है, न जा सकता है।
नागराज।
पहले आता था तो तसल्ली लगती थी आज मुसीबत लग रही है।
यह आशंका गलत नहीं थी।
मेरी प्रार्थना है कि आप लोग महानगर के निवासियों को परेशान न करें और ये हड़ताल तुरंत समाप्त कर दें।
पर... हम तो सिर्फ कारिंदे हैं। जब तक मालिक नहीं कहेगा, हम कुछ नहीं करेंगे।
मालिकों को जो कहना था वो मेयर से कह चुके हैं।
अब जब तक हमारी मांगें मानी नहीं जाएंगी तब तक हम ट्रक नहीं चलाएंगे।
तुम मत चलाना।

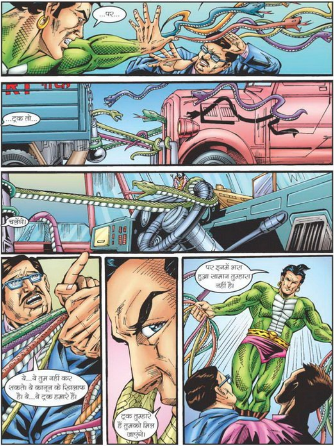
...पर...
...ट्रक तो...
चलेंगे!
ये...ये तुम नहीं कर सकते। ये कानून के खिलाफ है। ये...ये ट्रक हमारे हैं।
ट्रक तुम्हारे हैं तुमको मिल जाएंगे।
पर इनमें भरा हुआ सामान तुम्हारा नहीं है।

सामान जनता का है, जनता को मिलेगा!!
महानगर : मीसा
NATIONAL Transport

नागराज के भागीरथी प्रयास से महानगर में स्थिति सुधर रही थी-
पर ये प्रयास ऊंट के मुंह में जीरे के समान था।
तुम्हारे प्रयास सराहना योग्य हैं नागराज। पर तुम भी महानगर के प्रत्येक नागरिक तक सभी जरूरी चीजें नहीं पहुंचा सकते।
फिर क्या करें? इनकी बच्चों जैसी जिद के आगे घुटने टेक दें?
वह भी ठीक नहीं रहेगा।
मैं नगर सेवकों की मीटिंग बुलाकर उनके साथ ये समस्या डिस्कस करती हूं।
मैडम। ये रही आज शाम तक के मेट्रो गेम्स की प्रोग्रेस रिपोर्ट।
लाओ, लाओ। वैसे स्थिति कैसी है?
और बिगड़ गई है मैडम।
नागराज के नए मजदूरों को भेजने के बावजूद काम में तेजी नहीं आ पाई है। और रही सही कसर ट्रकों की हड़ताल के कारण माल की कमी ने पूरी कर दी है।
ओ माई गॉड। और तीन दिनों के बाद इंटरनेशनल मेट्रो गेम्स के...
...उच्च अधिकारी काम की प्रगति का जायजा लेने आने वाले हैं।
अगर उनको काम की प्रगति संतोषजनक न लगी तो हमसे मेट्रो गेम्स की मेजबानी वापस भी ली जा सकती है।
नाक कट जाएगी महानगर की और हमारे देश की भी।
ऐसा कुछ नहीं होगा।
पर कैसे नागराज?
"क्योंकि मैं ऐसा होने ही नहीं दूंगा।"

ये मैं क्या सुन रहा हूं?
नागराज है ना
तुम लोगों के रहते काम धीरे क्यों हो रहा है?
पता नहीं नागराज।
हमें। खाना खाते ही सुस्ती आने लगती है।
खाने के बाद सुस्ती। ये मैंने पहले भी सुना है।
खाना कहां है?
अभी लाया।
इसमें एक अंजानी गंध है।
"इसकी जांच करानी होगी। खास जांच।"
कुछ मिला, डॉक्टर करूनाकरन?
तुम्हारा शक सही था, नागराज। इस खाने में एक जैविक चूर्ण है जो किसी अति प्राचीन जड़ियों से बना है।
ऐसी प्राचीन जड़ियों से जो कि सिर्फ उन जंगलो में ही मिल सकती है जो सदियों से विद्यमान हों।
जैसे अफ्रीका के घने जंगल।
यानि मेरे दो शकों की पुष्टि हो गई है। पहला यह कि खाने में मजदूरों को सुस्त करने और काम को धीमा करने के लिए कुछ खास मिलाया गया था।
और दूसरा यह कि वह मिश्रित की गई अंजान चीज अफ्रीका से आई है।
और वह जगह अफ्रीका में कहां पर है...
"इसका पता वहीं से चलेगा जहां से यह खाना आया है।"
आज से तुम लोग बाहर से मिलने वाला खाना नहीं खाओगे।

आज से हर मेट्रो गेम्स की साइट पर अपनी कैंटीन होगी। बाहर का खाना बैन होगा और मजदूरों को खाना मुफ्त मिलेगा।
येSSSSह।
एक मिनट, एक मिनट। वह खाना कहां से आ रहा था।
कोई शारदा हैं। उनके पास से। उनका पता तो हमें नहीं मालूम है पर खाना लाने वाले ट्रक का नंबर पता है।
बताओ।
पढ़ लो।
MN 02
XZ080
गुड। अब इस नंबर का पता, पता करना है।
बहुत शानदार बंगला है।
शारदा देवी कोई प्रभावशाली महिला होनी चाहिए।
पांचवी बार घंटी बजाने के बाद भी कोई जवाब नहीं।
दरवाजे पर कोई गार्ड भी नहीं है।
लो दरवाजा भी खुला है। कुछ गड़बड़ है। जहां से रोज हजार मजूदरों का खाना बनकर जाता है,
वहां पर इतना सन्नाटा। कुछ मैच नहीं करता।

कमाल है। अंदर भी कोई नजर नहीं आ रहा है।
मौत नजर नहीं आती नागराज।
पर आती है।
ये कौन था? मेरी हाईस्पेक्ट्रम सर्प दृष्टि में भी नजर नहीं आ रहा है।
अंदाजा था हमें कि तुम देर सवेर मुझे ढूंढ निकालोगे। पर तुम तो काफी जल्दी मुझ तक पहुंच गए। चलो अच्छा हुआ।
आज चूहे बिल्ली के खेल वाला टंटा ही खत्म हो जाएगा।

सही कहा। बस तेरे सामने आने की देर है।
फिर ये खेल खत्म हो जाएगा।
ले। देख ले अपनी मौत की शक्ल।
तेरी मौत जिसे को दुनिया टिम्बर टू कहती है।
फूऽऽऽऽ
मेरी एक फुंकार तुझे सूखा हुआ टिम्बर बना देगी।

ये तुझे सिर्फ तेरी जड़ों से अलग करने के लिए था।
अब अगर तूने ये नहीं बताया कि शारदा देवी की आड़ में तू कौन सा खेल, खेल रहा था...
तो अगली फुंकार तेरे लिए घातक सिद्ध होगी। अरे! इसका तो शरीर सूख रहा है।
ये तो...नष्ट हो गया। मैंने सोचा तक नहीं था कि मद्धिम फुंकार का इस पर इतना घातक असर होगा।
यानी ये लड़ाई इतनी जल्दी खत्म हो गई।
और मुझे यह भी पता नहीं चला कि ये कहां से आया...अरे!
ये क्या?
ये लताएं टिम्बर टू के मरने के बाद भी सक्रिय कैसे हैं।
सिर्फ लताएं ही नहीं लताओं पर लगे फल भी सक्रिय हो रहे हैं।

टिम्बर टू किसी का उधार नहीं रखता। तू मेरी मृत्यु पर शोक प्रकट कर रहा था
इसीलिए मैं तेरी मृत्यु पर शोक प्रकट करने चला आया।
टिम्बर टू को तू मार ही नहीं सकता नागराज।
क्योंकि टिम्बर टू किसी एक जगह पर नहीं है।
कमाल है। इस भारी फल के नीचे दब कर तो लोहे का नागराज तक चूर हो जाता तू लोहे से भी मजबूत है क्या?
खैर अगर तू लोहे का है तो ये गूदा भी अम्लीय है। ये तेरे शरीर से प्रतिक्रिया करके उसे ठोस से भुरभुरा चूरा बना देगा।
तूने अपना होमवर्क ठीक से नहीं किया है टिम्बर टू!
वर्ना तू ये उम्मीद नहीं करता।

तेरा ये रसायन सिर्फ तभी तक मेरे शरीर से प्रतिक्रिया कर सकता है जब तक इसमें पानी मौजूद होगा।
क्योंकि सूखे पदार्थ आमतौर से प्रतिक्रिया नहीं करते।
पर जलते वो आराम से हैं।
तू...तू तो कोयले की तरह जल रहा है। इन शक्तियों की जानकारी तो मुझे नहीं दी गई थी।
दी जाती तो भी कोई फर्क पड़ने वाला नहीं था।
अब अगर तू जलता कोयला नहीं बनना चाहता तो जानकारी देने वाले शख्स का नाम बता दे।
अरे...अर्र्र्र्घ... बोलूं कैसे? तू...ने तो अर्र्र्र्र्घ..मेरा गला ही जला दिया है
ये कैसे हो गया? ये विष लपट तो मेरे वश में रहती है। जब तक मैं इनको जलाना नहीं चाहता तब तक ऐसा नहीं होता।
मैं जानता हूं कि तू मरा नहीं है। इसी जंगल में कहीं पर छुपा हुआ है। सामने आ जा...

वर्ना इस पूरे जंगल को जलाकर खाक कर दूंगा।
जलेगा, तब जलाएगा ना। और टिम्बर ट् कभी अपने जंगल मे छुपता नहीं है। हमेशा सामने रहता है...
और इस जंगल को जहरीली खाद की जरूरत है।
ये जरूरत तेरे कटे-फटे मृत शरीर को गलाकर पूरी कर लूंगा मैं।
क्योंकि टिम्बर ट् ये पूरा जंगल है। हर पत्ता मेरा विस्तार है।
इस जंगल में मैं हर जगह पर हूं।
तू अगर जंगल है...

तो नागराज इस जंगल को काटने वाला लकड़हारा है।
तू जितनी तेजी से उगेगा, मैं उससे दुगुनी तेजी से इस जंगल को काट डालूंगा।
तू काटेगा तो भी हर टुकड़े में टिम्बर टू को पाएगा। टिम्बर टू कट सकता है, सूख सकता है पर मर नहीं सकता।
अगर तू एक नहीं हजार मौतें मरना चाहता है तो ऐसा ही सही।
तेरे अगर सैंकड़ों प्रतिरूप हैं...
तो नागराज के हजारों प्रतिरूप हैं।

ये जरूर नागराज के शरीर में रहने वाले इच्छाधारी सर्प हैं जो नागराज का रूप धारण किए हुए हैं।
या शायद ये नागराज का शक्तिशाली सम्मोहन है। पर कुछ भी हो, इनमें से असली नागराज को पहचानना उतना ही मुश्किल है जितना कि हममें से असली टिम्बर टू को पहचानना।
कहां है तू नागराज?
नागराज वहां था। जमीन से तीन फुट नीचे।
उनमें से कोई न कोई असली टिम्बर टू जरूर होगा। और वह मदररूट यानी मुख्य जड़ों से जुड़ा हुआ होना चाहिए। मुझे मदर रूट को ढूंढना है और हर जोड़ मदर रूट की तरफ ही जाता है।
मुझे बस इस जड़ के साथ आगे बढ़ते जाना है।
मैं इन जड़ों पर विषयुक्त वार करने का खतरा मोल नहीं लूंगा।
टिम्बर टू अगर सही कह रहा था तो इन जड़ों में मेरे विष को खाद बनाकर पौष्टिक आहार बनाने की आश्चर्यजनक क्षमता है।
ये रही मदर रूट अब बस मुझ को इसे...
...इसके पोषण के स्त्रोत यानी जमीन से अलग कर देना है...

अब तेरा खेल खत्म हुआ टिम्बर टू! अब तू अकेला है। तेरे प्रतिरूप मुरझा गए हैं।
मैं कमजोर नहीं बल्कि और शक्तिशाली हो गया हूं नागराज!
क्योंकि अब मुझे अपने प्रतिरूपों को ऊर्जा देने की जरूरत नहीं है! अब वह ऊर्जा भी मैं स्वयं इस्तेमाल करूंगा।
मेरे ऊर्जा स्त्रोत से अलग होने के बाद भी...
अभी मुझ में इतनी ऊर्जा बची है कि मैं तेरी जीवन ऊर्जा को खत्म कर सकूं!
मेरी जीवन ऊर्जा को खत्म करने में तेरे कई जीवन लग जाएंगे, टिम्बर टू!
फिलहाल तू सिर्फ इसी जीवन की फिक्र कर।

क्योंकि नागराज अब लड़ाई का आखिरी सीन लिखने वाला है।
बता, कहां से आया है तू? किसने भेजा है तुझे और क्यों भेजा है?
ये बताने के लिए तेरे पास दस सेकेंड हैं।

दस सेकेंड के बाद तू एक से दो हो जाएगा। और तेरा टाईम शुरू होता है, अब।
और तेरा टाईम अब खत्म होता है। टिम्बर टू के साथ।
पर मेरी चिंता मत करना नागराज। अपनी करना।
क्योंकि टिम्बर टू राख के कण से भी दुबारा उग आएगा। बस, बढ़ने में थोड़ा वक्त लगेगा जैसे कुछ साल।
आऽऽऽह।

Amaan

बाप रे! इसकी टिम्बर बॉडी में जरूर तीव्र ज्वलनशील गैसें भरी हुई होंगी।
अगर मैं ऐन वक्त पर इच्छाधारी कणों में न बदल गया होता तो इन टुकड़ों में मेरे चिथड़े भी मिश्रित होते।
ईश्वर का शुक्र है...
कि तुम बच गए नागराज वर्ना मैं अपने आपको तुम्हारी मौत का जिम्मेदार मानती।
आप? पर क्यों? कौन हैं आप?
मैं शारदा देवी हूं। उसी NGO की CEO जो मेट्रो गेम्स के मजदूरों को फ्री खाना बांट रही थी।
मेरा ऐसा करने का कोई इरादा नहीं था। पर एक दिन न जाने कहां से ये टिम्बर टू यहां आ धमका और मेरी बेटी को मारने की धमकी देकर मुझे ऐसा करने पर मजबूर किया।
उसके पास एक अनोखा चूर्ण भी है जो ये हर खाने की चीज में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में मिलाता था।
क्या मैं उस चूर्ण को देख सकता हूं?
हां क्यों नहीं। आइए मेरे साथ। वह इसके दूसरे सामानों के साथ ही रखा हुआ है।
हां। ये वही महक है। इसी चूर्ण को खाने में मिलाया गया था।
मेरे शरीर में पूरे विश्व के हर क्षेत्र के सांप रहते हैं। उनमें से कोई न कोई सूंघकर पहचान लेगा कि ये चूर्ण किस क्षेत्र में पाया जाता है।
जांबीलिया के जंगल से। लोगोटो की राजधानी जांबीलिया।

"लोगोटो तो वही देश है जिसकी राजधानी जांबीलिया ने मेट्रो गेम्स के लिए महानगर के साथ अपना दावा पेश किया था।"
"अब स्थिति समझ में आ रही है।"
लोगोटो के तानाशाह शासक जनरल ने जांबीलियो का नाम मेट्रो गेम्स के लिए पेश किया था पर वे महानगर से हार गए।
इसीलिए वे चाहते हैं कि हमारी तैयारियों में देरी हो और इंटरनेशनल गेम समिति हमारा दावा रद्द करके आयोजन का मौका उनको दे दे।
सारे हवाले इसी तरफ इशारा करते हैं नागराज।
पर हमारे पास इस मुद्दे को लोगोटो के राजदूत के सामने उठाने के लिए पक्के सुबूत नहीं हैं। दोनों हमलावर ही हमारे कब्जे में नहीं हैं।
कानूनी तौर पर हम कोई कार्यवाही नहीं कर सकते।
अभी तक हड़ताल वाली मुसीबत टली नहीं और एक नई मुसीबत आ गई। शहर में अव्यवस्था फैली हुई है और ऐसी स्थिति में हमारे सामने एक ही रास्ता है।
उनकी शर्तों को मान लेना।
नागराज सही कह रहा है। जब खतरे की पुष्टि हो गई है तो हमको सिक्योरिटी और चाक-चौबंद करने की जरूरत है। ढीली करने की नहीं।
ऐसा करने से कोई नई मुसीबत आ सकती है। मुझे सोचने के लिए थोड़ा वक्त चाहिए।
किसी संभावित खतरे से बचने का यही एक तरीका है।
एक तरीका और है।...
उस संभावित खतरे को ही खत्म कर देना।
और अगर ऐसा करने के लिए ठोस सुबूत की जरूरत है, तो वे हमको लोगोटो के दूतावास से अवश्य मिल जाएंगे।

Amaan

अगर ये काम लोगोटो के जनरल का है तो ऐसा वह सिर्फ अपने दूतावास के माध्यम से ही कर सकता है। सुबूत तो तुमको वहां पर जरूर मिल जाएंगे।
पर कानूनन तुम ऐसा नहीं कर सकते। तुम किसी भी दूतावास में बगैर उस देश की इजाजत लिए घुस नहीं सकते।
हां, नागराज। हर दूतावास किसी भी दूसरे देश में अपने देश का प्रतिनिधित्व करता है।
इसीलिए दूतावास का क्षेत्र और उसके सारे अधिकार उसी देश की सरकार के पास रहते हैं।
अगर तुम लोगोटो के दूतावास में बगैर इजाजत के गए तो हम तुम्हारी कोई भी मदद नहीं कर पाएंगे।
तुम अगर वहां पकड़े गए तो वे तुम्हारे साथ जैसा चाहें वैसा सुलूक कर सकते हैं और हम उसमें दखल नहीं दे सकते।
गुड। यानी मैं उनके साथ जो चाहे सुलूक कर सकता हूं...
...और तुम लोग उसमें दखल नहीं दोगे।
अरे एक मिनट। ट्रक हड़ताल का क्या करूं?
नागराज शाह से संपर्क करिए। मैंने सुना है कि उसके पास कई ड्राईवर भी हैं।
वे बाकी बचे ट्रकों का सामान लाकर महानगर में बांट सकते हैं। स्थिति थोड़ी काबू में आएगी।
और बाकी बची स्थिति को मैं कल सुबह तक काबू में ले आऊंगा।
उसके बाद शायद इतनी ज्यादा सुरक्षा की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

नागराज की हर हरकत मॉनीटर की जा रही थी।
नागराज को भनक लग गई है। वह लोगोटो के दूतावास की तरफ जा रहा है।
शुक्र मनाओ कि उसने सीधा जांबीलिया जाने का निर्णय नहीं ले लिया।
अब करना क्या है? नागराज के हाथ सुबूत लगने चाहिएं या नहीं?
हुम। नागराज को रोकना तो बहुत मुश्किल काम है। अब तो जो हो रहा है होने दो।
हम तो ऐसा नहीं चाहते थे पर अगर महानगर खुद ही युद्ध का मैदान बनना चाहता है तो ऐसा ही सही।
ऑर्डर भेज दो।
जैसा आप चाहें।
जांबीलिया- लोगोटो की राजधानी-
नागराज आ रहा है। उसके हाथ कुछ नहीं लगना चाहिए कांगा।
उसके हाथ रहेंगे तो कुछ लगेगा न, जनरल।
आप निश्चिंत रहें जनरल।
निश्चिंत रहो। अरे, वह नागराज है, नागराज।
अगर उसके हाथ जरा से भी सुबूत लग गए तो मेरा क्या होगा?
पूरी इंटरनेशनल कम्युनिटी हमसे नाता तोड़ लेगी। क्या पता हमारे दुश्मन इसी को हमपर चढ़ाई करने का बहाना बना लें।
और ...अगर हमारी जनता भी भड़क गई तो...नहीं। नहीं। नागराज किसी भी कीमत पर। अंदर न घुसने पाए।

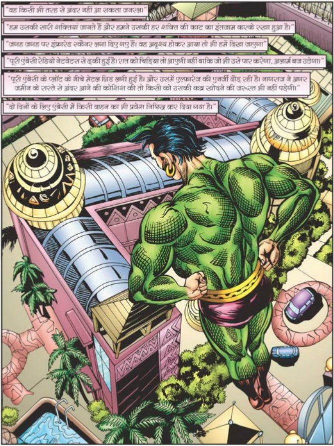
"वह किसी भी तरह से अंदर नहीं आ सकता जनरल।"
"हम उसकी सारी शक्तियां जानते हैं और हमने उसकी हर शक्ति की काट का इंतजाम करके रखा हुआ है।"
"जगह जगह पर इंफ्रारेड स्कैनर लगा दिए गए हैं। वह अदृश्य होकर आया तो भी हमें दिख जाएगा"
"पूरी एंबेसी रेडियो नेटवेटस से ढकी हुई है। रात को चिड़िया तो आएगी नहीं बाकि जो भी उसे पार करेगा, अलार्म बज उठेगा।"
"पूरी एंबेसी के प्लॉट के नीचे मेटल ग्रिड लगी हुई है। और उसमें एल्फारेज की एनर्जी दौड़ रही है। नागराज ने अगर जमीन के रास्ते से अंदर आने की कोशिश की तो किसी को उसकी कब्र खोदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।"
"दो दिनों के लिए एंबेसी में किसी वाहन का भी प्रवेश निषिद्ध कर दिया गया है।"

"नागराज किसी भी तरीके से यहां घुस नहीं सकता।"
"सुबूतों तक पहुंचना तो दूर की बात है।"
KLIK
इंसान चाहे कितने भी अवरोध खड़े कर ले...
KLIK
पर तीन चीजों को वह रोक नहीं सकता।
एक बहता पानी।
दूसरा बहती हवा।
और तीसरा नागराज।
ऐसे स्थानों पर कुक ही एक ऐसा शख्स होता है जो पूरी इमारत में बेरोकटोक घूम सकता है। और कुक बनने के लिए दो ही चीजों की जरूरत होती हैं। एक टोपी की...

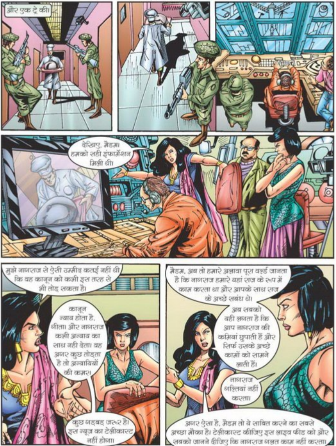
और एक ट्रे की।
देखिए, मैडम! हमको सही इंफार्मेशन मिली थी।
मुझे नागराज से ऐसी उम्मीद कतई नहीं थी कि वह कानून को कभी इस तरह से भी तोड़ सकता है।
कानून न्याय होता है, गीता। और नागराज कभी अन्याय का साथ नहीं देता। वह अगर कुछ तोड़ता है तो अन्यायियों की कमर।
कुछ गड़बड़ जरूर है। इस न्यूज का टेलीकास्ट नहीं होगा।
मैडम, अब तो हमारे अलावा पूरा वर्ल्ड जानता है कि नागराज हमारे यहां राज के रूप में काम करता था और आपके साथ राज के अच्छे सबंध थे।
अब सबको यही लगता है कि आप नागराज की कमियां छुपाती हैं और सिर्फ उसके अच्छे कामों को सामने लाती हैं।
नागराज गल्तियां नहीं करता।
अगर ऐसा है, मैडम तो ये साबित करने का सबसे अच्छा मौका है। टेलीकास्ट कीजिए इस लाइव फीड को और सबको जानने दीजिए कि नागराज गलत काम नहीं करता।

Amaan

इससे हमारी रेटिंग भी बढ़ेगी और नागराज की छवि भी साफ होगी।
ठीक है। नागराज की खातिर मैं ये चैलेंज लेने को भी तैयार हूं।
पर हमें ये भी नहीं भूलना चाहिए कि ये किसी का जाल भी हो सकता है। और हम अंजाने में उसको अपना सहयोग दे सकते हैं। हम नहीं जानते कि लोगोटो एजेंसी की ये फीड हमें देने के पीछे किसी की क्या मंशा है।
इसीलिए हम इस फीड का प्रसारण जरूर करेंगे, पर लाइव नहीं।
डिफर्ड लाइव। यानि प्रसारण फीड मिलने के पांच मिनट बाद शुरू होगा।
नागराज की तमाम सावधानियों के बावजूद उसका सस्पेंस खुल चुका था।
अगर टिम्बर टू और लुकछुप वहीं से आए हैं तो वहां पर उनके कोई न कोई निशान जरूर होंगे।
आत्मसमर्पण कर दो या परिणाम भुगतने को तैयार हो जाओ।
पर तुम्हारा निशान कहीं नहीं मिलेगा नागराज। तुम इस वक्त किसी दूसरे देश के अधिकार क्षेत्र में घुसे हुए एक घुसपैठिए हो...
तुम भी।
मैं यहा पर सिर्फ वे सुबूत लेने आया था जो तुम लोग मांगने पर कभी नहीं देते।
कैसे सुबूत? किस चीज के सुबूत?
मेट्रो गेम्स को असफल बनाने के षड्यन्त्र के सुबूत।
यहां पर ऐसे कोई सुबूत नहीं हैं। और षडयंत्र जैसा शब्द हमने कभी नहीं सुना।

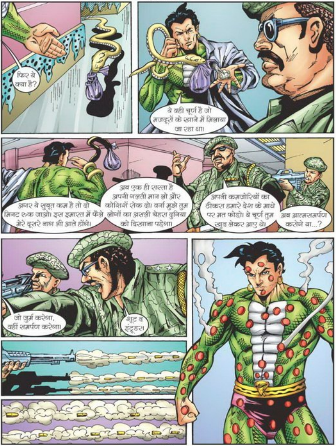
फिर ये क्या है?
ये वही चूर्ण है जो मजदूरों के खाने में मिलाया जा रहा था।
अगर ये सुबूत कम है तो दो मिनट रुक जाओ। इस इमारत में फैले मेरे दूसरे नाग भी आते होंगे।
अब एक ही रास्ता है अपनी गलती मान लो और कोशिशें रोक दो। वर्ना मुझे तुम लोगों का असली चेहरा दुनिया को दिखाना पड़ेगा।
अपनी कमजोरियों का ठीकरा हमारे देश के माथे पर मत फोड़ो। ये चूर्ण तुम खुद लेकर आए थे।
अब आत्मसमर्पण करोगे या...?
जो जुर्म करेगा, वहीं समर्पण करेगा।
शूट द इंट्रूडर।

मुझे पता था कि तू गोलियां झेल लेगा। पर टेस्ट तो करना ही था।
गोलियां तो तुझ पर भी बेअसर हैं। कौन है तू?
वो जो एक बार किसी के साथ चिपक जाए तो मौत ही छुड़ा पाए।
अगर मुझसे पीछा छुड़ाना है...
...तो मर जा नागराज।
ओह। तू वाकई खतरनाक है।

पहले तुझे रोकना होगा।
अरे! मेरे सांप तुझसे चिपक क्यों गए?
इरेजर जांबीलिया के जंगलों में रबरप्लांट के झुरमुटों में ही उनके पत्ते, दूध और छाल खाकर बड़ा हुआ है। अब मेरा पसीना भी गोंद बनकर निकलता है।
उसी रबर से बना है इरेजर। जो जिसे जब चाहे, मिटा दे।
फूऽऽऽऽ
एंबेसी की इस इमारत के अंदर कई निर्दोष कर्मचारी भी मौजूद होंगे। मैं वहां पर अपनी घातक शक्तियों का प्रयोग नहीं करूंगा।
वैसे भी इसे सुखाने के लिए मेरी विष फुंकार ही काफी होगी।
तेरी फुंकार में मौजूद विष के कण तो मेरी खाल से ही चिपक कर रह जाएंगे। पार नहीं जा पाएंगे।
पर इस कोशिश में तू संसार से पार जरूर हो जाएगा।
नागराज के इस द्वंद का-
डिफर्ड लाइव प्रसारण जारी था।
नागराज ने ये ठीक नहीं किया। इसके ऐसा करने से इंटरनेशनल कम्युनिटी में हमारी नाक कट गई है।
नागराज ये काम हमारी नाक सलामत रखने के लिए कर रहा है। नाक सलामत रखो और चपत खाते रहो, ये कहां का इंसाफ है।
एकदम सही कहा। नागराज जो करेगा सही करेगा। देखना, अभी वह इनकी पोल खोल कर रख देगा।
पूरा देश अलग-अलग प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहा था।

और नागराज इस षडयंत्र के खिलाफ कानूनी सुबूत जुटाने में व्यस्त था।
ओह! रबर की चोट का असर तो हर बच्चा जानता है आज मैं भी जान गया।
मैं इसको नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। लेकिन जब तक एजेंसी में फैले मेरे सांप सुबूत इकट्ठा करके नहीं लाते, तब तक मैं इसको रोकूंगा कैसे?
क्योंकि मैं तो इसकी चिपक से हाथ तक नहीं छुड़ा पा रहा हूं।
अब मैं तुझे ऐसा झटका दूंगा, नागराज
कि तेरे शरीर में रहने वाले सांप अंदर ही पिसकर मर जाएंगे।
आहऽऽऽह! ऐसे तो सुबूत बाद में मिलेंगे...आऽऽऽह... मौत पहले मिलेगी।
कुछ तो करना ही होगा।
पर नागराज को मौका मिलने वाला नहीं था।
आग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी इरेजर।
आग तो मैं खुद पैदा कर लेता हूं।
जानता हूं। ये आग तुझे जलाने के लिए नहीं, मेरी रबर को गलाकर तेरे पूरे शरीर पर फैलाने के लिए है। उसके बाद तू मेरी रबरशील्ड के अंदर होगा और तब मैं तेरा भगवान होऊंगा।

आपने अगरबती तो खुद ही जला ली भगवान जी।
पर प्रसाद तो मुझे ही चढ़ाने दीजिए।
ये...ये तू क्या कर रहा है।
अब क्या करें, एंबेसेडर?
हुम। मुझे ही कुछ करना पड़ेगा। अब तीस सेकेंड के अंदर नागराज इसका काम तमाम कर देगा और सारे सुबूत लेकर फुर्र हो जाएगा। लाइव फीड को बंद करा दो।
हिन्दुस्तानी पब्लिक को जितना देखना था उतना देख चुकी है।
भारती कम्युनिकेशन में-
मैडम! अचानक फीड मिलनी बंद हो गई! उस वक्त नागराज मुसीबत में था।
मुझे इसी बात का शक था। कुछ गड़बड़ है। हमको लोगोटो एंबेसी ने यूज किया है। टेलिकास्ट बंद कर दो।
पर जो नुकसान होना था वह हो चुका था।
और हर राय एक ही बात पर निर्भर थी- नागराज की सफलता पर।
अगर तू रबर का बना है तो रबर को खत्म करने का मुझे एक ही तरीका आता है।
नागराज ने ये ठीक नहीं किया। हो सकता है जांबीलिया वालों ने कोई षडयंत्र किया ही न हो।
वैसे भी किसी के भी इलाके में अनाधिकृत रूप से घुसना गलत बात है।
अब तो नागराज ने अगर ये प्रूव कर दिया कि लोगोटो वालों ने हमारे गेम्स रोकने की कोशिश की है, तो बात बन जाएगी।
जितने मुंह थे उतनी राय थीं।
घिस डालना। अब या तो तू मुझे छोड़ेगा...
शाबास। अब तुम को इसका ईनाम मिलेगा।

वाह। ये सारी चीजे तो टिम्बर टू और लुकछुप से संबंधित हैं।
इनकी मदद से तो मैं...
ये...ये मुझे क्या हो रहा है?
मेरे सारे शरीर को जैसे लकवा मार रहा है।
जानना चाहोगे कैसे नागराज?

ऐसे!
डॉक्टर जुलू!
नए और इंप्रूव्ड वर्जन में। बोलो कैसी मौत चाहते हो? अगली सुई सिर में घुसाऊं या दिल में?
वापस आ गया है डॉक्टर जुलू और इस बार राक्षस के हाथ में है वह तोता जिसमें बसी है नागराज की जान। बेबस, विवश और अपंग नागराज की जान। बचेगा तोता या उड़ेंगें तोते नागराज के? जानने के लिए पढ़ें अगला और अंतिम भाग।
क्यों है नागराज